NEWS CLIPPING: 15.05.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

MEDIA NOT ONLY AN OPINION LEADER BUT ALSO DIRECTS THE NARRATIVE : DR. SACHCHIDANAND JOSHI

FARIDABAD(TITNEWS) : J.C. Bose University of Science and Technology had a very successful inaugural session of its weekly Webinar series Titled "Media Ki Baat Aapke Sath", organised by the Department of Communications and Media Technology, the first session of this series was on the topic Media & Covid-19, and the keynote speaker was Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary of Indira Gandhi National Centre for the Arts. Dr. Joshi, an accomplished educationist and author, began his address to the faculty and students by defining the different media platforms in existence today, and how they've evolved in the past several decades, with social media and OTT platforms joining the fray. The main focus of Dr. Joshi's address was the problem of information overload. According to Dr. Joshi, the public is constantly bombarded with more information than they're able to consume on a daily basis, which has turned it into a burden instead. Dr. Joshi went on to state that data generation everyday is on an astronomical scale on the internet, and that if people don't have complete facts about something, they're affected by the lack of knowledge and end up becoming entangled in the web of information. All this data coming in bulk is unfiltered as well, and media as a whole is being governed by information overload. Speaking of the Covid-19 pandemic and how it has affected India, Dr. Joshi praised the public and the media for getting through the first wave virtually unscathed, despite of predictions to the contrary by other countries. Giving the example of Noam Chomsky and the manufacturing of consent (Also known as building a narrative), Dr. Joshi mentioned that it has become abundantly clear that accurate truth is not being delivered by the media, and because of it the public is uncertain about the authenticity of the information they're receiving.

NEWS CLIPPING: 15.05.2021

SATYAJAY TIMES

महामारी काल में मीडिया बन सकता है पथ प्रदर्शक : कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 14 मई , सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा । वर्तमान समय में सूचना के अनेक स्त्रोतों से प्राप्त सूचना अधिभार से आमजन ग्रस्त है जिस कारण सूचना प्राप्त करता पशोपेश में है कि वह किस विषय पर प्राप्त किस मीडिया चैनल की-किस सूचना पर विश्वास करे उक्त विचार शिक्षाविद एवं विचारक माननीय डॉ सच्चिदानंद जोशी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए जोकि जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित मीडिया की बात आपके साथ नामक साप्ताहिक वेबिनार श्रृंखला के शुभारम्भ में मुख्य वक्ता पधारे थे जिसका विषय मीडिया एवं कोविड-19 था।

मुख्य वक्ता ने फेसबुक , ट्विटर और यूट्यूब जैसे नए ऑनलाइन मीडिया प्लाट्फोर्म का ज़िक्र करते हुए कहा कि इन प्लाट्फोर्म की पहुँच आज लगभग भारत में 80 करोड़ लोगों तक है फलस्वरूप इनसे उपभोक्ता खबर प्राप्त करते और साझा करते भी है किंतु इन माध्यम से साँझा खबरों की प्रमाणिकता हमेशा संदेह के घेरे में रही है। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने प्रसिद्ध सामाजिक वैज्ञानिक हरर्री , चौपसी एवं एल्विन टोफ़्लेर का उदाहरण देते हुआ कहा कि उद्धत पब्लिक मीडिया माध्यमों ने लोगों में कोविदकाल में भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर झूठ जोरशोर से फहलाया है परिणामस्वरूप आज लोगों में कोविड से हो रहे नुकसान के गलत आँकड़े डर का महोल पेदा कर रहे है। उन्होंने आगे कहा की इस महामारी में मीडिया को एक ज़िम्मेदार भूमिका निभाने की जरूरत है जिससे लोगों में सकारात्मकता का भाव अयेगा और देश कोविड की लड़ाई को जनता की सहिता से जल्द जीत लेगा। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। वेबिनार की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने मीडिया विभाग को वेबिनार के लिए बधाई देते हुए कहा कि मीडिया की भूमिका हमेशा ही महत्वपूर्ण रही है क्योंकि मीडिया हमेशा आमजन के लिए पथ पर्दशक रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महामारी काल में मीडिया की भूमिका और भी जिम्मेदारी वाली हो जाती है। इसमें कोई शक नहीं कि मीडिया ने कोविड में लोगों को जागरूक करने का काम किया जिस कारण भारत कोविड -1 की लड़ाई जीत सका और देश यह कोविड-2 लड़ाई भी जीत जाएगा। प्रोफेसर दिनेश कुमार उम्मीद जताई कि विभाग इस प्रकार के वेबिनार छात्रों के लिए आयोजित करता रहेगा। वेबिनार का आयोजन फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट एंड मीडिया स्टडीज के डीन एवं अध्यक्ष प्रोफेसर अतुल मिश्रा की देखरेख में किया गया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 15.05.2021

PUNJAB KESARI

फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब जैसे नए ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म का ज़िक्र करते हुए कहा

कोविड-19 में मीडिया की सूचना से आमजन असमंजस में : डा. जोशी

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। वर्तमान समय में अनेक स्रोतों से प्राप्त सूचना की अधिकता से आमजन ग्रस्त है जिस कारण सूचना प्राप्तकर्ता असमंजस में है कि वह किस मीडिया चैनल की किस सूचना पर विश्वास करें, उक्त विचार शिक्षाविद एवं विचारक डॉ. सच्चिदानंद जोशी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली ने मुख्य वक्ता के रूप में 'मीडिया की बात आपके साथ' साप्ताहिक श्रृंखला के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए। उक्त वेबिनार का आयोजन जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था।व्याख्यान का विषय 'मीडिया एवं कोविड-19' था।मुख्य वक्ता ने फेसबुक , ट्विटर और यूट्यूब जैसे नए ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म का ज़िक्र करते हुए कहा कि इन प्लेटफॉर्मों की पहुँच आज

- **पब्लिक मीडिया माध्यमों ने लोगों में कोविड काल में भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर झूठ जोर-शोर से परोसा है**

तक है फलस्वरूप इनसे उपभोक्ता ख़बर प्राप्त करते और साझा भी करते है। किंतु इन माध्यमों से साझा खबरों की प्रमाणिकता हमेशा संदेह के घेरे में रही है। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने प्रसिद्ध सामाजिक वैज्ञानिक हर्री , चौपसी एवं एल्विन टोफ़्लेर का उदाहरण देते हुआ कहा कि उद्धृत पब्लिक मीडिया माध्यमों ने लोगों में कोविड काल में भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर झूठ जोर-शोर से परोसा है परिणामस्वरूप आज

सत्र को संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. सच्चिदानंद जोशी। (छाया:राकेश देव)

के ग़लत आँकड़े डर का माहौल पैदा कर रहे है। उन्होंने आगे कहा की इस महामारी में मीडिया को सशक्त व राष्ट्र केंद्रित भूमिका निभाने की ज़रूरत है जिससे लोगों में और देश कोविड की लड़ाई को जनता के विश्वास व मनोबल से जल्द जीत लेगा। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर उनके ... वेबिनार की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने मीडिया विभाग को इस आयोजन के ... की भूमिका हमेशा ही महत्वपूर्ण रही है क्योंकि मीडिया हमेशा आमजन के लिए पथ प्रदर्शक रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महामारी काल में मीडिया की भूमिका और भी जिम्मेदारी वाली हो जाती है। इसमें कोई शक नहीं कि मीडिया ने कोविड में लोगों को जागरूक करने का काम किया, जिस कारण भारत कोविड - 1 की लड़ाई जीत सका और देश यह कोविड-2 लड़ाई भी जीत जाएगा। प्रोफेसर दिनेश कुमार ने उम्मीद जताई कि मीडिया विभाग इस प्रकार के वेबिनार छात्रों के लिए आगे भी आयोजित करता रहेगा।

वेबिनार का आयोजन फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट एंड मीडिया स्टडीज के डीन एवं अध्यक्ष प्रोफेसर अतुल मिश्रा की देखरेख में किया गया। अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी गणमान्य श्रोताओं का धन्यवाद

पंजाब केसरी Sat, 15 May 2021
mpaper.punjabkesari.com/c/60466386

NEWS CLIPPING: 15.05.2021

HINDUSTAN

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मीडिया पर आधारित वेबिनार का हुआ आयोजन, जिसमें शिक्षाविद और विचारकों ने मीडिया पर अपने विचार दिए

महामारी में मीडिया लोगों को जागरूक करने में जुटा : प्रो. दिनेश

वेबिनार

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग ने शुक्रवार को मीडिया पर आधारित एक वेबिनार का आयोजन किया।

वेबिनार की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने मीडिया विभाग को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि मीडिया की भूमिका हमेशा ही महत्वपूर्ण रही है क्योंकि मीडिया हमेशा आमजन के लिए पथ प्रदर्शक रहा है। उन्होंने कि महामारी काल में मीडिया की भूमिका और भी जिम्मेदारी वाली हो जाती है। इसमें कोई शक नहीं कि मीडिया ने कोविड में लोगों को जागरूक करने का काम किया, जिस कारण भारत कोविड -1 की लड़ाई जीत सका और देश यह कोविड के दूसरे चरण की लड़ाई भी जीत जाएगा। जाहिर है कि कोरोना काल में अनेक स्रोतों से प्राप्त सूचना की अधिकता से आम व्यक्ति ग्रस्त है। इस कारण सूचना प्राप्त करने वाला शख्स असमंजस में है कि वह किस मीडिया चैनल की कौन-सी सूचना पर विश्वास करें। जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में यह विचार शिक्षाविद एवं विचारक डॉ. सच्चिदानंद जोशी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली ने मुख्य वक्ता के रूप में 'मीडिया की बात आपके साथ' साप्ताहिक श्रृंखला के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए। व्याख्यान का विषय मीडिया एवं कोविड-19 था। मुख्य वक्ता ने फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब जैसे नए ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म का जिक्र करते हुए कहा कि इन प्लेटफॉर्म की पहुंच आज लगभग भारत में 80 करोड़ लोगों तक है, जिसके चलते इनसे उपभोक्ता खबर प्राप्त करते और साझा भी करते हैं। लेकिन इन माध्यमों से साझा खबरों की प्रमाणिकता हमेशा संदेह के घेरे में रही है।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वेबिनार श्रृंखला हुई। • हिन्दुस्तान

मीडिया को सशक्त भूमिका निभाने की जरूरत

डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने प्रसिद्ध सामाजिक वैज्ञानिक हरर्री, चौपसी एवं एल्विन टोफ्लेर का उदाहरण देते हुआ कहा कि उद्धृत पब्लिक मीडिया माध्यमों ने लोगों में कोविड काल में भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर झूठ जोरशोर से परोसा है। इसके चलते आज लोगों में कोविड से हो रहे नुकसान के गला आंकड़े डर का माहौल पैदा कर रहे है। उन्होंने आगे कहा की इस महामारी में मीडिया को सशक्त व राष्ट्र केंद्रित भूमिका निभाने की जरूरत है जिससे लोगों में सकारात्मकता का भाव पैदा होगा और देश कोविड की लड़ाई को जनता के विश्वास व मनोबल से जल्द जीत लेगा। डॉ सच्चिदानंद जोशी ने प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देकर उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त भी किया।